

(घ) क्या राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा ऐसे करेंसी नोट बदलने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे जो उनकी राशि के लिए रिजर्व बैंक के पास जमा कराये जाते हैं ?

बिस्त मन्नालख में राज्य मंत्री श्री ब्रह्मिककर उल्लाह) (क) सरकारी क्षेत्र के सभी बैंकों को इस बात के लिए अधिभूत कर दिया गया है कि वे जैसे नूचने और विकने नोटों, धोखे बटे-फटे नोटों तथा उन नोटों को बदल दिया करे जिन के दो टुकड़े हा चुके हों किन्तु जिनके दोनो टुकड़े एक ही नोट के दो हिस्सों के रूप में साफ तौर पर पहचाने जाते हों ।

(ख) इस जानकारी को एकत्रित करने के लिए बहुत ज्यादा परिश्रम और समय खच करना होगा ।

(ग) इस प्रश्न पर कि सरकारी क्षेत्र के बैंक को भुगतान प्राप्त करने प्रथमा तब्दीली के लिए किस सीमा तक फटे कटे नोटों को स्वीकार करने के लिए अधिभूत किया जा सकता है, रिजर्व बैंक अभी विचार कर रहा है ।

बैंक नोट प्रस वेवाल

4518 श्री मुञ्जराम सिंह क्या उप प्रधान मंत्री तथा बिस्त मंत्री बैंक नोट प्रस, देवाल के उच्च अधिकारियों द्वारा की गई अनियमितताओं के बारे में 21 जुलाई, 1978 के अंतरांकित प्रश्न सख्या 749 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करने कि

(क) क्या बैंक नोट प्रस, देवाल की स्थापना के समय से अनियमितताओं के मामलों में अब तक बैंक नोट प्रस के कितने कर्मचारियों को पकड़ा गया है और उनके विरुद्ध किस प्रकार की कार्रवाई की गई है और इसके परिणामस्वरूप कितने कर्मचारियों का बर्हिद किया गया, और

(ख) मजहूर मुनियन और कर्मचारियों ने भी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध चोरी, अनियमितताओं और अन्य अपराधों की शिकायतें की हैं और यदि हा, तो उपयुक्त भाग (क) में उल्लिखित अब तक कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उन शिकायतों पर किस प्रकार की कार्रवाई किन्किन तारीखों का की गई और कितनी शिकायतों को फाइल किया गया है ?

बिस्त मंत्री मन्नालख में राज्य मंत्री (श्री ब्रह्मिककर उल्लाह) (क) बैंक नोट प्रस, देवाल के मुक किए जाने से लेकर अब तक कुल मिला कर बैंक के कर्मचारियों 109 मामलों में विभिन्न कथित अनियमितताओं के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाहियां शुरू की गई हैं । इनमें से 16 मामलों में कार्यवाहियां वापस की गई हैं, 77 मामलों में मुनासिब दण्ड दे दिया गया और बाकी मामलों में अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही है । अनुशासनात्मक कार्यवाहियों के अलावा

स्थानीय पुलिस ने प्रेस के 22 कर्मचारियों के विरुद्ध चोरीचारी मुकदमें चलाए जिनमें से अदालत ने 12 कर्मचारियों को बरी कर दिया । बाकी मामलों का फैसला अभी तक नहीं हुआ है ।

(ख) कर्मचारी संघों से जो शिकायतें प्राप्त हुई हैं, वे कर्मचारियों की सेवा के मामलों और कुछ अपराधों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों के बारे में हैं । कर्मचारियों की सेवा के मामलों के सम्बन्ध में कर्मचारियों संघों से जो शिकायतें प्राप्त हुई हैं उनके आधार पर, 12 मामलों की आपसी फैसलों के लिए सौंप दिया गया था जिसमें से 5 मामलों को सच/कर्मचारी तथा प्रबन्धकों के बीच निष्पक्ष समझौतों के आधार पर आपसवारी से निपटा दिया गया है, 2 मामलों के केन्द्रीय प्रौद्योगिक न्यायाधिकरण एबम् अधिक न्यायालय के यहाँ पर नियंत्रणाधीन हैं और बाकी मामलों पर फैसलों की व्यवस्था करने वाले सगठन के पास विचाराधीन है । भाग (क) में उल्लिखित प्रत्येक मामले में की गई कार्यवाही के व्योरे का सारणी बद्ध करने में अनावश्यक रूप से अधिक समय और परिश्रम लगेगा । भुगतान में बिलम्ब के सम्बन्ध में अपराधों के विरुद्ध कुछ शिकायतों की जांच भी गई और इन शिकायतों को निराधार पाया गया । अपराधों के विरुद्ध खरीद प्रादि के मामलों में झूठाचार और अन्य अनियमितताओं से बचाने के कुछ आरोपों की जांच अभी तक की जा रही है । इस समय इन शिकायतों के सम्बन्ध में पूरा व्योरा देना मुनासिब नहीं होगा ।

Survey for Air Field for Lengpui

4519 DR R ROTHUAMA Wil' the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No 5032 on 31st March, 1978, wherein he had stated that a detailed survey of the site at Lengpui for construction of a pucca air field had been carried out, and promised to complete by 1978, December, and state

(a) whether the said survey had been done or not,

(b) if so, any steps taken already or proposed to be taken to construct the air field, and

(c) what about the so called Third Level Air Services proposed to be introduced by the Government among the North Eastern States and when the proposed scheme will be ready for operation?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). In reply to the Unstarred Question No. 5032 on 31st March, 1978 it was mentioned that the Survey of India had been requested to carry out a detailed survey of the site at Lengpui to assess its suitability for possible construction of a new aerodrome. This survey is in progress and is expected to be completed by the end of 1979.

(c) The Report of the Committee on Third Level Air Services is under consideration of the Government.

Trade Relations

4520. **SHRI DURGA CHAND.** Will the Minister of COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) what is the balance of trade at present;

(b) the names of the new countries with which we have developed trade relations during the last two years and in what fields;

(c) the new items of India's goods which were exported during the last two years;

(d) what efforts are being made to explore new markets; and

(e) the surplus goods which are proposed to be exported during the next two years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (SHRI ARIF BEG): (a) According to the latest provisional data, India had an adverse balance of trade amounting to Rs. 1001.47 crores during the first ten months of 1978-79 (April-January).

(b) to (d). A statement is attached.

(e) The production base of export oriented industries and agricultural items is being continuously strengthened and expanded so as to obtain export surplus on a continuous basis

for increased export earnings. So far the items which have been allowed by the Government during the current year, due to comfortable domestic supply situation, include onions, potatoes, rawa, suzi and maida, rice and HPS groundnuts.

Statement

Continuous efforts are being made to diversify both the commodity-composition and country-pattern of India's foreign trade through visits of two-way trade delegations, conducting of marketing surveys, participation in and organisation of exhibitions/trade fairs and strengthening of commercial missions abroad, marketing efforts of state trading organisations etc.

In the last two years, S.T.C. has successfully introduced a number of products in the international markets, particularly manufactured by the small-scale and cottage sectors such as sandal wood, billets, silver jewellery, kuth oil, tapicca chips, dried mushrooms, biscuits, jaggery, flush door frames, instant coffee, packaged tea etc. Several new markets were also explored such as Japan—for coffee, China for shellac, USSR for sophisticated high value leather shoes.

Measures have been taken during the last two years to normalise trade-relations with Pakistan and China. The major contracts concluded with China included steel, tubes, iron and shellac, for export to China and import of zinc, antimony and mercury from China. A number of engineering goods have been identified for export to Burma and India will make increased purchases of unprocessed stones, non-ferrous ores, timber, natural gas, cement etc. from this country.

India has been able to introduce new items like fresh fruits, and vegetables, rolled and galvanised steel sheets, machines tools, garage equipment etc. to the USSR. In the other Eastern European countries like Poland, Czechoslovakia, GDR and Romania, we have been able to export new items